(155)

① हिन्दी पखवाडा निबंध प्रतियोगिता
EMPID 2017 दिनांक 25.09.2020
विषय : सोशल मीडिया ①
वर्ग - 'क'

प्रस्तावना:- सोशल मीडिया एक ऐसा मीडिया है जो कि बाकी सारे मीडिया (प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रनिक्स आदि मीडिया) आदि समान्तर मीडिया से अलग मीडिया है। सोशल मीडिया इन्टरनेट ऑनलाईन के माध्यम से एक वर्चुअल संसार है जिसका उपयोग कर्ता (व्यक्ति) सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म (माध्यम) जैसे कि ट्विटर फेसबुक, स्नेपचेट लाईक, मेसेन्जर आदि का उपयोग कर सकता है जिसमे बहुत फेसबुक और ट्विटर प्रसिद्ध है।

सोशल मीडिया का महत्व:- आज संसार को सोशल मीडिया ने अधिक शुलभ बना दिया है जो कि बहुत तेजगति से इन्टरनेट के माध्यम से इनका उपयोग कर्ता जीवन के हर क्षेत्र की खबरों को समाहित किए हुए है। सोशल मीडिया में निम्न प्रकार से खबरों को भेजा जा सकता है जो कि
(अ) शेयर सभी संसार के लोगों के लिये जो कि सोशल मीडिया के उपयोग कर्ताओ की श्रेणी मे है।
(ब) व्यक्तिगत शेयर
(स) केवल सोशल मीडिया उपयोग कर्ता मित्रों लिये
(द) मित्रों के समूह के लिये
पोस्ट शेयर (भेजने) का चुनाव सफलता पूर्वक कर सकता है।

सोशल मीडिया का योगदान:- सोशल मीडिया सकरात्मक एक अपरम्परागत विशाल संसार का नेटवर्क जिससे आपस में जोडे रखता है यह संचार का उपयोग कर्ता के लिये बहुत अच्छा माध्यम साबित हो रहा है। शेयर की हुई सोशल मीडिया उपयोग कर्ताओं को सूचना आदान प्रदान करने का विशेष माध्यम है विश्व को सोशल मीडिया ने अति सूक्ष्म बना दिया है संगणक उपयोग कर्ताओं एवं एण्ड्राइड फोन को इन्टरनेट के माध्यम से फेसबुक ट्विटर का

क्र. पृ. उ.

सोशल मीडिया विज्ञापन की दुनिया में कमखर्च अधिक-अधिक लोगों तक पहुंचाने में सक्षम है
ट्विटर खोजकर्ता:- जेक डोरसी, नोहग्लास, बिजस्टोन, इवान विलियमस 21.03.2006 मुख्यालय सेन फ्रांसिस्को कैलीफोर्निया यूनाईटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष ओमिड कोडेस्तन)
संगणक की भाषाएं:- जावा, रुबी, स्केला, जावास्क्रिप्ट (Java, Ruby, Scala & Javascript)
उपयोग का स्वरूप:- इन्टरनेट, उपयोगकर्ता 321 Million Active users
वर्तमान स्टेटस ट्विटर: चालू है।

फेसबुक के खोजकर्ता:- मार्क जकरबर्ग ने 04.02.2004 में संगणक की C++, PHP (as HHVM) D. भाषाओं के उपयोग करके बनाया है यह विश्व की 111 भाषाओं में उपलब्ध है वर्तमान स्टेटस-चालू है। सिर्फ उन देशों में बन्द है जहां पर प्रतिबंधित है जैसे चीन

फेसबुक उपयोग कर्ताओं की संख्या 2.70 बिलियन मासिक चालू उपयोग कर्ताओं विशाल संख्या है (आज के चालू मास जून 2020 की है)

विकास कार्य में योगदान:- विकास के कार्यों में योगदान की महत्व भूमिकाएं अदा करके सोशल मीडिया प्लेटफार्म की एक उद्योग की भूमिकाओं को निभाया जा रहा है जिस देश के जितने इन्टरनेट के उपयोग कर्ताओं के द्वारा इन्टरनेट के रिचार्ज एवं उस देश के दूरसंचार विभाग को आमदानी से राजस्व प्राप्ति का बहुत अच्छा माध्यम है। डिजिटल साक्षरता मिशन भारत में अति महत्वपूर्ण शिक्षा का माध्यम बन चुका है।

सोशल मीडिया और लोकतंत्र:- संसार के विभिन्न देशों में जहां लोकतंत्र की सरकारें स्थापित है वहां पर सोशल मीडिया का उपयोग चुनाव प्रचार में वहां की सरकार के पक्ष व विपक्ष के उम्मीदवारों के द्वारा किया जा रहा है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में लोकसभा आम

क्र. पृ. क्र.

चुनाव में भी महत्व भूमिका निभाई है। सभी पार्टियों के उम्मीदवारों ने सोशल मीडिया के माध्यम से युवा जागरूक मतदाताओं तक अपनी उद्देशिका सोशल मीडिया के माध्यम पहुचाया था एवं उससे पहले के चुनावों में सोशल मीडिया का सिमित उपयोग होता था।

सोशल मीडिया का आन्दोलनों में योगदान:— सोशल मिडिया का सबसे अधिक जागरूकता का कारण बना भ्रष्टाचार के विरुद्ध आन्दोलन "इंडिया अगेंस्ट करप्शन" आन्दोलन में सोशल मिडिया का व्यापक उपयोग अन्ना हजारे के आन्दोलनों के द्वारा भारत में किया गया युवाओं को आन्दोलनों में आकर्षित किया गया व्यापक रूप से इंडिया अगेंस्ट करप्शन के माध्यम से आन्दोलनों पूरे भारत में व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ और कानून बनकर ही रहा। सोशल मीडिया की ताकत का पता जनमानस को भारत में चला और इसका व्यापक रूप धारण करने के बाद कानून बन चुका है।

सोशय मीडिया की सकारात्मक भूमिका अदा करना एक बहुत अच्छी बात का प्रचार-प्रसार कम संसाधनों में भी सम्भव है जो कि सम्पूर्ण संसार में आसानी पहुच जाता है।

सोशल मीडिया के विभिन्न स्वरूप:— इंस्टाग्राम मेसेन्जर, स्नेपचेट, हाईक विभिन्न स्वरूपों में फेसबुक के अलग-अलग हिस्से है जोकि उपयोग कर्ताओं की सुविधा के अनुसार उपयोग करने में सहजता महसूस करते है। सोशल मीडिया में विभिन्न प्रकार की खबरों से ज्वलन्त विषयों पर सरकारों को कार्यवाही करने पर मजबूर होना पड़ता है

सोशल मीडिया की समाज को हानियाँ:- ① अल्कोहल जैसा नशा हो गया है सोशल मीडिया का नशा युवाओं में उपयोग हो रहा है जो कि समाज की बहुत बड़ी हानियाँ हो रही है।
② युवाओं में सम्पूर्ण संसार में उपयोग कर्ता में नशा की तरह फैल रहा है।
③ युवाओं के द्वारा सोते-जागते, उठते-बैठते सोशल मीडिया के आदि हो चुके है।
④ युवाओं द्वारा ट्विटर पर फेसबुक पर बार-2 लॉगिन करते रहते है और कई घण्टों तक आनलाइन सोशल मीडिया पर रहते है।
⑤ समय की बर्बादी भी कह सकते है युवाओं के बहुमूल्य समय का विनाश की तरफ हो रहा नुकसान है।
⑥ सुरक्षा को खतरा:- सोशल मीडिया साइटों में युवा एवं टीनएजर्स सही-सही जानकारी भेजते समय ध्यान नहीं रखा जाता है कई खबरें के द्वारा पता चलता है कि सोशल मीडिया साइटों से जानकारी जुटा कर अपराधी लोगों द्वारा दुर्घनाओं चोरी, हत्या जैसे अपराधों को करने से भी नहीं चुक रहे है।

उपसंहार:- सोशल मीडिया के लाभ अधिक और हानि कम है सकारात्मक उपयोग से इसके लाभ है। सोशल मीडिया ने आप जैसी राजनीति पार्टी अन्ना हजारे के इंडिया अगेंस्ट करेप्शन की उपज है और सुप्रिम कोर्ट के एडवोकेट मनीष सिसोदिया, इंकम टैक्स के उपकमिश्नर अरविन्द केजरीवाल (IRS) IPS किरण बेदी एक मंच पर सोशल मीडिया के माध्यम ही आये है। किरण बेदी उपराज्यपाल केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी, अरविन्द केजरीवाल दिल्ली राज्य के मुख्यमंत्री द्वितीय कार्यकाल सोशल मीडिया की भूमिका महत्व पूर्ण रही है। केन्द्र सरकार में सोशल मीडिया के माध्यम भारत सरकार द्वारा उपलब्धियों को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाजनों को जोड़कर सरकार के कार्यों को उपलब्धियों को बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया वेबसाइटों के उपयोगकर्ताओं की संख्या बहुत अधिक है विभिन्न देशों की सरकारों के द्वारा उनकी उपलब्धियों को वहां के सोशल मीडिया के उपयोग करने वालों तक पहुंचाया जा रहा है।

सोशल मीडिया वेबसाइटों के सदुपयोग की खबरों में अधिकांश कम्पनियों के द्वारा उनके उत्पादों का विज्ञापन कमसेकम लागत में अधिक-अधिक लोगों तक पहुंचाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिकाओं को निभाया जा रहा है।

सोशल मीडिया वेबसाइटों को नफरत भरी बातें हटानी होगी अगर ऐसा नहीं हुआ तो जर्मनी जैसे देश उन साइटों पर 5 करोड़ यूरो तक लगाया जा सकता है। सोशल मीडिया साइटों पर झूठी खबरें और नफरत फैलाने वाली पोस्टस की बाढ़ आए दिन देखी जा सकती है। झूठी खबरों से समाज में गलत जानकारी और एक खास किस्म की घृणा का प्रसार होता है। इसी से निपटने के लिए जर्मनी एक नया कानून बनाने जा रहा है एवं कानून से जुड़े प्रस्ताव को जर्मनी की सरकार ने मंजूरी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में फर्जी खबरों की बाढ़ सी आ गई थी। जर्मनी चुनावों से पहले इसे रोकना चाहता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1) A तहत सभी इन्टरनेट सोशल मीडिया ने इसे प्रोत्साहित करने में अहमरोल निभाया है। सोशल मीडिया साइटों पर कई नियमों के तहत प्रतिबन्ध भी लगाया जा सकता है।

कम्प्युटर संसाधनों से छेड़छाड़ (धारा (IT) 65) कंप्यूटर का डेटा चुराना या हैक करना (धारा 66) प्रतिबंधित सूचनाएं भेजना (धारा 66 A) एवं सूचनाएं चुराने का चुराने का ईउ (धारा 66 B)

(6)

किसी पहचान चोरी करना IPC (धारा 66सी) पहचान छिपाकर कम्प्यूटर से किसी व्यक्तिगत किसी तरह से छेड़छाड़ IPC (धारा 66डी), किसी की निजता भंग करना IPC (धारा 66 ई) साइबर आतंकवाद की दण्ड (धारा 66 एफ) आपत्तिजनक सूचना को प्रकाशन (धारा 67) फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर IPC (धारा 73)।

केवल पूरी दुनिया में साइबर अपराध के सबसे सबसे ज्यादा मामले अमेरिका में होते है। इस तरह 90.63% मामले अमेरिका में दर्ज कराये जाते हैं।

45/50

अनुराधा
23/01/2021

विद्यालय का नाम: परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक – ४, रावतभाटा

कर्मचारी पहचान संख्या: १८५०

वर्ग: क

157

43/50

अनुराधा
२३/०१/२०२१

सोशल मीडिया

प्रस्तावना:

आज के वैश्वीकरणक के युग में चाहे अर्थव्यवस्था हो या, विज्ञान प्रोद्योगिकी हो, युद्ध प्रणाली हो, कूटनीतिक सम्बन्ध हो या हो वाणिज्य, सूचना के अत्यधिक आदान प्रदान में सोशल मीडिया अत्यधिक महत्त्व रखता है. इस मीडिया के जरिये जो अभूतपूर्व जानकारी प्राप्त होती है जिससे कि राष्ट्रनिर्माण व अनुसंधान में सहायता मिलती है. इसके बहुआयामी लाभ हैं.

उपयोगिता व आवश्यकता:

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा सामाजिक मीडिया से जुड़े रहना इसकी आवश्यकता व प्रवत्ति है. यह मीडिया उन लोगों के लिए जुड़े रहने का एक अच्छा माध्यम है जिनके परिवार व मित्र उनसे दूर हैं. इससे अभिव्यक्ति की स्वंत्रता प्राप्त होती है, विचारों का आदान प्रदान होता है, यही तो सामाजिकता है और आवश्यकता भी है विद्यार्थी विद्यालय के बाद इसके माध्यम से भी काफी सारा अध्ययन कर सकते हैं. यदि आप किसी क्षेत्र के लोगों से मिलना चाहते हैं मसलन सामाजिक कार्यकर्ता तो आप इस प्रकार के कई लोगों से जुड़कर अपना योगदान दे सकते हैं. कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन इसके द्वारा किया जा सकता है तथा खर्च भी कम आता है, समय भी बचता है और लोगों की सामाजिक सोच बदलती है.

क्या ये उन लोगों के लिए अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है जो अंतर्मुखी हैं और समाज से जुड़े रहना चाहते हैं? आपदा और विपत्ति के वक्त कम समय में ऐसी सूचना सभी तक पहुँचाई जा सकती है जैसा की हमने सीरिया और इराक में देखा या दिल्ली के निर्भया कांड में. सारा समाज एक साथ खड़ा था. इसकी आवश्यकता तो यहीं प्रमाणित हो गई. विरोध प्रदर्शन के लिए याचिका पर हस्ताक्षर किये जा

सकते हैं, और चलिए हम इतना भी पीछे क्यों जाएँ आज के कोरोना काल को ही ले लीजिए हमें अगले दिन का समाचार पत्र छपने से पहले ही सोशल मीडिया पर रात तक व्हाट्सऐप पर यह सूचना प्राप्त हो जाती है की आज हमारे शहर में किस घर में कौन कौन कोरोना संक्रमित पाया गया है जिसका हमें यह लाभ होता है की सभी को यह ज्ञात हो जाता है कि अमुक निवास के अमुक व्यक्ति के सीधे संपर्क में नहीं आना है, यह कोरोना की श्रंखला को तोड़ने में बहुत ही सहायक सिद्ध होता है अन्यथा जब तक हम सुबह के अखबार में यह समाचार पढ़ते तब तक न जाने कितने और व्यक्ति उनके सीधे संपर्क में आकार इस भयानक बीमारी का शिकार हो इस महामारी के और अधिक फैलने में सहायक सिद्ध होते.

<u>तार्किक विश्लेषण तथा व्यक्तिगत जिम्मेदारी</u>:

सोशल मिडिया पर अक्सर ये आरोप लगाये जाते हैं कि इससे लोगों कि व्यक्तिगत जानकारी तथा सरकारी उपक्रमों और गैर सरकारी उपक्रमों कि गोपनीय जानकारी चोरी कर उसका दुरुपयोग किया जाता है, यहाँ तक कि रक्षा मंत्रालय से भी सामरिक महत्व की जानकारी चोरी कर ये महत्वपूर्ण जानकारी देश के गद्दारों द्वारा दुशमन देश को बेचकर देश के सुरक्षा ढांचे में सेंध लगाई जाती है. पर क्या दुरूपयोग तब संभव नहीं जब कि आप इससे न जुड़े हों? पिछले कुछ वर्षों में हमने देखा है कि आधार की साइट से जानकारी चोरी हुई जिसके बाद वर्चुअल 'आई डी' दी गई. यह एक पूरा का पूरा 'डेटा खनन उद्योग' है अर्थात 'डेटा माइनिंग इंडस्ट्री' है जो डेटा चुराने के काम में सक्रिय है, जो आपका मोबाइल नंबर प्राप्त कर आप तक पहुँच जाता है और आपके बैंक खाते पर झाड़ू तक फेर सकता है.

यह भी कहा जाता है कि आपके फोटो का दुरूपयोग हो सकता है. अब जरा यह सोचिये कि यह जरुरी तो नहीं कि आप अपनी सारी जानकारी सभी के साथ साझा करें. आप चुनिन्दा लोगों को इनबोक्स कर सकते हैं ताकि वे ही आपकी जानकारी देख अथवा पढ़ सकें. यह आपका व्यक्तिगत निर्णय होना चाहिए कि आप कौन सा चित्र साझा करें, क्योंकि व्यक्तिगत स्वतंत्रता अपने आप में जिम्मेदारी लाती है.

सोशल मीडिया हमें चीजों को बेचने व खरीदने कि सुविधा भी प्रदान करता है. यह उपभोक्ता का अधिकार भी प्रदान करता है, जैसे कि नोटबंदी के समय ओला व उबर टैक्सी चालकों ने जब बुकिंग लेने से मना कर दिया तो इसी मीडिया के जरिये इन पर दबाव बनाया जा सका.
सोशल मीडिया सामाजिक संस्थानों का निर्माण करता है जिसका आप कभी भी उपयोग कर सकते हैं. ये सभी तथ्य अपने आप में इसकी आवश्यकता को प्रमाणित करते हैं. अतः सोशल मिडिया आज के वैश्वीकरण के युग में अति आवश्यक है.
इसकी उपयोगिता यदि काव्य शैली में कहनी हो तो शायद मात्र ये चार पंक्तियाँ ही काफी होंगी,

सोशल मीडिया है एक मौन कर्मयोगी
जन चेतना के लिए बहुत उपयोगी
मौन रहकर भी सब कुछ कह जाता
पल भर में विश्व पर छा जाता.

अब तक तो हम बात कर रहे थे कि सोशल मीडिया हमारे लिए कितना उपयोगी है किन्तु जैसा कि हम जानते हैं कि हर सिक्के के दो पहलु होते हैं, जिस प्रकार हर व्यक्ति के साथ उसकी परछाई भी चलती है जिससे प्रथक होना बहुत ही मुश्किल होता है ठीक इसी प्रकार सोशल मीडिया के साथ उसकी कुछ बुराइयाँ भी जुड़ी हुई हैं जिन्हें हम विस्तृत रूप से जानने का प्रयास करते हैं और यदि हम इसका उपयोग जरा सी सावधानी एवं पूर्ण समझदारी के साथ करें तो यह असंभव भी नहीं है.

समाजिक मीडिया अथवा सोशल मीडिया मानवीय संबंधो के परिचायक माने जाते हैं. समाज में एक दूसरे के संपर्क में रहकर समाज को सही दिशा प्रदान करना इनका उद्देश्य होना चाहिए. क्या वास्तव में ये लक्ष्य हासिल हो रहा है. क्या वास्तव

में लोग एक दूसरे से जुड़ रहे हैं या सिर्फ काल्पनिक रूप से जुड़े हैं? क्या रिश्तों में प्रगाढ़ता कम नहीं हो रही? जब हम प्रत्यक्ष रूप में किसी से बात करते हैं तो उसके चेहरे के अच्छे व बुरे दोनों प्रकार के भाव को पढ़ सकते हैं, उससे भावनात्मक रूप से जुड़ जाते हैं वहीं सोशल मीडिया पर आपके मित्रों का एक बड़ा समूह होता है लेकिन जब आप विपत्ति में होते हैं कितने लोग आप के साथ खड़े होते हैं? केवल आप के परिवार के व्यक्ति व कुछ खास मित्र और कोई नहीं तब आप महसूस करेंगे कि आप सोशल मीडिया पर सैकड़ों मित्र होने के एक लुभावने किन्तु मिथ्या भ्रम में जी रहे थे. सोशल मीडिया का लोगों को लोगों से जोड़ने का दावा देखिये पलक झपकते ही कैसे धराशायी हो गया. तो फिर इसकी आवश्यकता क्यों? कुछ लोगों का तर्क रहेगा कि इससे सूचना का संचार होता है, माना कि यह सही है किन्तु ज़रा सोचिये कि क्या इंसान तब नहीं जीता था जब यह मीडिया नहीं था? क्या तब उद्योग, विज्ञान, खगोलशास्त्र, चिकित्सा, संचार, कृषि, यातायात आदि क्षेत्रों में विकास नहीं हुआ?

<u>दुरुपयोग</u>:

सोशल मीडिया पर किसी की छवि मलीन करना, गाली देना जैसी ओछी घटनाओं से किशोरावस्था के लोग आत्महत्या तक कर लेते हैं. क्या यही मीडिया हमारे समाज के लिए आवश्यक है?

एक शोध के अनुसार इस मीडिया द्वारा द्वेष और वैमनस्य उत्पन्न होता है क्योंकि हर व्यक्ति अपने जीवन के आनंद भरे क्षण और चित्र पोस्ट करता है जिससे अन्य लोग अपनी तुलना करते हैं और स्वयं को यदि उससे कमतर पाते हैं तो उनमें हीन भावना उत्पन्न होती है परिणाम स्वरुप वे अवसाद ग्रस्त हो जाते हैं और कभी कभी तो अपनी ईहलीला भी समाप्त कर लेते हैं.

सोशल मीडिया पर ही आजकल ट्वीटर भी खासा चलन में है जिसमें बड़े बड़े राजनेता, अभिनेता, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा आम जन तक अपने व्यावसायिक तथा निजी जीवन कि जानकारी आमजन तक पहुँचाने हेतु ट्वीट करते रहते हैं और

अनेकों बार तो एक दूसरे का अपमान करने के लिए अपशब्दों का भी उपयोग करने से बाज नहीं आते, इस प्रकार ये ट्रोल करने का सिलसिला लंबा चलता रहता है.
जानकारी चोरी होना, दुरूपयोग होना फ़र्जी अकाउंट द्वारा ठगी होना, ऑनलाइन भ्रामक विज्ञापन आदि क्या समाज के लिए आवश्यक हैं? जब आधार डाटा से जानकारी चोरी हो सकती है तो सोशल मीडिया पर तो यह और भी आसान है.

<u>मानसिक स्थिति व स्वास्थ पर प्रभाव</u>:

दूसरी ओर यह भी देखने में आ रहा है कि लोग इस मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं जिसके कारण उनमें मानसिक थकान, तनाव, मोटापा, नींद न आना, किसी से सीधे संवाद करने में झिझक होना, रिश्तों में दूरियाँ उत्पन्न होना आदि समस्याएँ जन्म ले रही हैं. सोशल मिडिया पर अधिक समय देने कि समस्या न केवल व्यक्तिगत तरक्की अपितु देश कि प्रगति में भी बेड़ी के रूप में चुनौती बनती जा रही है. एक अनुमान के अनुसार भारत के युवा यदि सोशल मीडिया पर इसी प्रकार समय बर्बाद करते रहे तो आने वाले पाँच वर्षों में देश आगे बढ़ने की जगह लगभग आठ वर्ष पिछड़ जायेगा यानी उन्नति के स्थान पर अवनति की कहानी लिखी जायेगी.
क्या यह मीडिया केवल एक आत्मसंतुष्टि व मनोरंजन का साधन बनकर तो नहीं रह गया, जहाँ हर व्यक्ति केवल ध्यानाकर्षण व लाईक्स चाहता है, क्या यह केवल आडंबर मात्र नहीं है? परिवार का हर सदस्य साथ होते हुए भी साथ नहीं है, सभी अपने-अपने मोबाइल फोन पर एक काल्पनिक संसार में खोये रहते हैं और इसी प्रकार रिश्तों में आपसी दूरियाँ बढ़ रही हैं.

<u>उपसंहार</u>:

मानव एक सामाजिक प्राणी है, भावना को भावना से जोड़ा जा सकता है न कि मशीन से अतः यही कहना उचित होगा कि असली ज़िन्दगी की समस्याएँ यह

सोशल मीडिया कभी भी हल नहीं कर सकता, यह केवल एक मनोरंजन का साधन बन कर रह गया है न कि आवश्यकता.

आज के तकनिकी युग में यह भी आवश्यक हो गया है कि हम सदैव नवीन तकनीक से अवगत रहें अन्यथा हम विकास की राह से भटक जायेंगे व पिछड़ जायेंगे क्योंकि आज बहुत से कार्य ऐसे हो गए हैं जो सिर्फ इस माध्यम से ही संभव हैं और कार्य को सुगम कर हमारे सहायक भी सिद्ध हो रहे हैं तथा हमारा समय भी बचाते हैं.

अतः यह कहना उचित होगा कि यदि सोशल मीडिया का उपयोग संतुलित तरीके एवं विवेकशीलता से किया जाये तो यह हमारे लिए वरदान सिद्ध हो सकता है, अन्यथा अभिशाप.

इन पंक्तियों के साथ अंत करता हूँ,

सोशल मीडिया है एक छुपा जासूस
उपस्थिति इसकी करो महसूस
जानकारी हमारी सब हासिल कर लेता
न जाने किस किस को दे देता
इसके उपयोग में समझदारी दिखाओ
वरदान को न तुम अभिशाप बनाओ

क्र.प.क्र. - 27-03 - श्रीमती रूपा ग. सावंत

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया के बारे में बात कहे तो सबके विचार में फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ट्विटर, लिंक्डइन आ जाता है| आज के युग में सोशल मीडिया का महत्व को नाकारा नहीं जा सकता क्यूंकि यह जीवन का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है| सोशल मीडिया इतिहास का सबसे बड़ी क्रांति है| यह एक ऐसी तकनीक है जो हम किसी भी तरह के डेटा को साझा करने में सक्षम बनाती है, क्यूंकि यह छवियों, वीडियो, ब्लॉग और दूसरों के साथ बहुत अधिक जानकारी है। सोशल मीडिया से हम घर बैठे दूर दूर तक लोगों के संपर्क में रह सकते है, बात-चीत कर सकते है, सुझाव दे सकते है, मदत कर सकते है इत्यादि| सोशल मीडिया से हम आज ऑनलाइन द्वारा सामग्री उत्पाद और सेवाए आसानी से खरीदने और बेचने में सक्षम है| सोशल मीडिया द्वारा दुनियाभर के खबरें एक ही क्लिक में प्राप्त की जा सकती है|

सोशल मीडिया ने शिक्षा और व्यवसाय में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है| कोरोना बीमारी के दौर में बच्चों की पढाई, परीक्षा सब कुछ ऑनलाइन द्वारा हो रही है| इससे सोशल डिसटेनसिंग भी हो रही है| शिक्षक क्लासरूम, वेबेक्स, ज़ूम, मीट इत्यादि द्वारा एपसे ऑनलाइन पढ़ाते है| पढ़ाने के लिए नोट्स पॉवर-पॉइंट, मैक्रोसोफ्ट वर्ड, मैक्रोसोफ्ट एक्सेल के माध्यम से तैयार करने में आसानी होती है| बच्चों को समझाने के लिए शिक्षक बहुत मेहनत करते दिखाई देता है| कर्मचारी भी घर बैठे अपने ऑफिस का कार्य कर रहें है| इससे ऑफिस के काम में भी रुकावट नहीं होती है| इस तरह बच्चों की पढाई तथा ऑफिस का कार्य का नुकसान नहीं हो रहा है|

सोशल मीडिया के फायदे अनेक है| इसका उपयोग सही तरीके से करें तो खुद के जीवन में और समाज के विकास के लिए लाभदायक साबित हो सकता है| हमने पिछले कुछ वर्षों में सूचना और सामग्री का विस्फोट देखा है इसलिए इसकी ताकत से इनकार नहीं कर सकते है| समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया जा सकता है| सोशल मीडिया एनजीओ और अन्य सामाजिक कल्याण समितियों द्वारा चलाए जा रहे कई महान कार्यों में भी मदद करता है| सोशल मीडिया अपराध से लड़ने में अन्य एजेंसियों तथा सरकार की मदद करता है| बच्चों के लिए यह आनंद का पात्र भी है| पब्जी जो चार-पाँच या अधिक बच्चे अपने-अपने घर में बैठे एक साथ खेले हैं|

...2/-

सोशल मीडिया एक पहलु देखें तो यह लाभदायक है और दुसरे पहलु देखें तो नूकसान भी है। इसका गलत उपयोग करने से बुरा परिणाम हो सकता है। कई बच्चे साइबर बुलिंग के शिकार हुए है जिससे उनका काफी नुकसान हुआ है। बच्चे लिखाई-पढ़ाई के उम्र में पब्जी या दुसरे खेल खेलते है। माँ-पिता के डांटने पर बहस करते है। बडों का जैसे सम्मान करना हि भूल गए हो। शिक्षक ऑनलाइन द्वारा पढ़ाते है तो बच्चे मोबाइल में बेक-ग्रौंड में गाना सुनते है, टिक-टोक देखते है या पब्जी खेलते है या दुसरे खेल खेलते है। कोई कोई बच्चे तो रात-रात भर जागकर मोबाइल में लगे रहते है और दिन में जब शिक्षक ऑनलाइन द्वारा पढ़ाती है तो ये बच्चे मोबाइल में ऑनलाइन क्लास चालू रखकर सो जाते है। बच्चे को लगता है शिक्षक तो देख नहीं सकती तो कोई फरक नहीं पढ़ता। लेकिन ये बच्चे नहीं जानते की इससे उनका ही नुकसान हो रहा है।

सोशल मीडिया से बैंक अकाउंट हैक किया जाता है जिससे मनुष्य के जमा पूंजी निकाल लेते है। किसी की आइडेंटिटी भी हैक करके अपराध करने के लिए उपयोग किया जाता है। सोशल मीडिया का लंबे समय तक उपयोग करके युवाओं ने इसे लत का कारण बना लिया है। कई युवा इसका गलत उपयोग करके अपराध की दुनिया में पैर रख रहें है। लिखाई-पढ़ाई न करकर फेसबुक, इन्स्टाग्राम में खोये रहते है। हनीट्रैप्स और अश्लील एमएमएस सबसे ज्यादा ऑनलाइन धोखाधड़ी का कारण बना हैं। लोगो को इस तरह के झूठे प्रेम-प्रंसगो में फंसाकर धोखा दिया जाता है। सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा उपयोग करने से भी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, लोग परिवार तथा समाज से दूर हो जाते है।

सोशल मीडिया को सही ढंग से उपयोग करें तो यह लाभदायक है अन्यथा यह नुकसान पहुँचा सकती है। सोशल मीडिया को बडों के आशीर्वाद की तरह हमारे जीवन को सफलता के राह तक ले जा सकता है इसलिए यह हर एक व्यक्ति पर निर्भर करता है की वह सोशल मीडिया को किस तरह से अमल करें।

Roopa

नाम: रूपा मंगेश सावंत
पदनाम: सहायक
भर्ती अनुभाग
दिनांक: 25/09/2020

महेश एम पाटेकर (भील-माही) (रव-वर्ग)
परमाणु ऊर्जा कनिष्ठ महाविद्यालय मुंबई.

(61)

सोशल मीडिया

मानव निर्मित अनूठी माया रूपी दुनिया, जिसका नाम 'सोशल मीडिया'। यह माया रूपी संसार में एक और माया रूपी संसार का आश्चर्य जनक अवतरण है 'सोशल मीडिया'। इसका क्षेत्र काफी विस्तृत है। आज की इस आधुनिक और डिजिटल दुनिया में, शायद ही कोई ऐसा होगा जो सोशल मीडिया से परिचित नहीं होगा। सोशल मीडिया नेटवर्किंग सिर्फ किशोरों के बीच ही नहीं, बल्कि पुरानी पीढ़ी सहित, सभी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। सोशल मीडिया एक ऐसा मंच है, जो आपको अलग-अलग मंच के माध्यम से, पूरी दुनिया से जोड़ता है। ये एक ऐसी चीज़ है जिसके इस्तेमाल से आप अपने दोस्तों, रिश्तेदारों, अपने पसंदीदा, प्रसिद्ध लोगों से जुड़ सकते हैं, उनसे बातें कर सकते हैं, उनके बारे में हर छोटी-बड़ी बातें जान सकते हैं। जब से इंटरनेट ने जन्म लिया है, तब से उसने अनेकों रूपांतरित रूप धारण किए हैं। जिसका यह वर्तमान समय में अनूठा रूप है 'सोशल मीडिया' इससे जैसे मानव को एक दिव्य दृष्टि मिल गई है। एक ही जगह बैठे-बैठे पूरी दुनिया के कोने कोने की खबर मिल जाती है। सोशल मीडिया ने मानव के जीवन जीने का तरीका ही बदल डाला है। मानव अब दो रूप धारण किए हुए है। एक शारीरिक रूप और दूसरा डिजिटल अवतार नई पीढ़ी यह दोनों अवतारों में गजब का तालमेल बना कर जी रही है। जो कभी किसी ने सोचा भी नहीं होगा।

सोशल मीडिया मानव जाति की नवीनतम पीढ़ी के लिए एक दो धारी तलवार जैसा बन गया है। यह अब उस मानव पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग वह कैसे करता है। सोशल मीडिया का उपयोग पहली सोशल मीडिया साइट, सिक्स डिग्री से हुआ था। इसने उपयोग कर्ताओं को एक प्रोफाइल अपलोड करने और अन्य उपयोग कर्ताओं के साथ दोस्ती करने में सक्षम बनाया। ओरकुट नामक वेबसाइट से लेकर निरंतर अपना अवतार बदलते हुए फेसबुक,

यूट्यूब, ट्विटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिक टॉक आदि इन सब चीजों ने अनेकों बदलाव व चमत्कार कर दिखाए हैं। नेटिंग साइटों ने नई लोकप्रियता हासिल की है। जो अब भी बरकरार है।

सोशल मीडिया ने ~~मनव~~ मानव के बीच की जो भौगोलिक दूरी थी उसे मिटा दीया और व्यक्तिगत रूप से मानव अपने मित्रों और परिवारजनों के मध्य संपर्क स्थापित करने का लुफ्त उठाने लगा। अपने स्वजन एवं मित्रों को वीडियो कॉल द्वारा देखकर उनसे बात करने लगा है। यह बात पत्रों के जमाने वाले लोगों को आश्चर्य-चकित कर देती है। जो पहले पत्र की खबर दूसरे देश में पहुंचने में बहुत दिन लग जाते थे। वही काम अब तुरंत हो जाता है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। इसका सदुपयोग मानव को बहुत ऊँचे पायदान पर ले जा सकता है। लेकिन कुछ लोग उसका दुरूपयोग भी करते है। जिसको हैकिंग का नाम दिया गया है। सोशल मीडियाने पहचान की चोरी, साइबर धोखाधड़ी, विवरण की चोरी, और वायरस के हमलों की संभावना को बढ़ावा दिया है। यह एक ऐसा भयानक मानसिक परिताप है। जिसे सोशल मीडिया से पीड़ित है वही बयां कर सकता है। निरंतर डिजिटल रूपी संसार में हाजिरी रखने से मानव अपनों से दूर हो चला है। वह यह नहीं जानता कि वह डिजिटल संसार का अति शक्तिशाली मानव भले ही क्यों न हो। पर जब हकीकत में कुछ कर दिखाने की बात आती है तो छोटी सी विफलता मिलने पर वह निराशा की गर्त में तुरंत चला जाता है। क्योंकि सोशल मीडिया पर तो हर खेल में वह मर कर भी जिंदा हो जाता है। पर आम जिंदगी में यह संभव नहीं है। यह बात को समजना एक अहम् मुद्दा बन जाता है।

नवयुवकों की सुबह सोशल मीडिया से शुरू होकर देर रात तक चलती रहती है। जिससे उनके स्वास्थपर भी असर पड़ सकता है। वह यह ख्यालों की दुनिया में खोए हुए रहने लगते हैं।

जो उनके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। उनका जीवन बस कुछ लोगों की लाइक पर निर्भर हो गया है। उन्हें हर समय वह क्या कर रहे है वह प्रदर्शित करने की लत लग गई है। और बार-बार कितने लोगों ने व मित्रों और परिजनों उनका पोस्ट देखा है वह तलब हमेशा रहती है। सोशल मीडिया के कारण गलत संगत मे पड़कर लोग गैर कानूनी काम भी करते हैं। यह एक निंदा योग्य कार्य है। इस से हमें बचना चाहिए। सोशल मीडिया का अत्याधिक उपयोग भारी मुसीबत ला सकता है। इसे रोकने के लिए मानवके फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया पर अपना समय सीमित करना होगा। सोशल मीडिया का उपयोग करते समय मानवको बहुत सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि यह मानवको जोखिम और अजीब स्थिति मे डाल सकता है।

दूसरी ओर पर सोशल मीडिया का मर्यादा और संयम से उपयोग करने पर मानव जीवन का आनंद और लुत्फ उठा सकता है। व्यावसायिक रूप में सोशल नेटवर्किंग साइटें अपने पहचान के चित्र, प्रतिष्ठा, नेतृत्व पीढ़ी को स्थापित करके कारोबार को बनाए रखने और बढ़ाने में मदद करती है।

सोशल मीडिया साइट, रोजगार का एक प्रमुख स्रोत बन गयी है। लिंकडीन साइट इसका उदाहरण है। व्यापार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसका प्रभावी उपयोग समग्र विपणन लागत को कम करने में मदद करता है। ऑनलाइन सफलता सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के साथ आती है। सोशल मीडिया से आप संभावित ग्राहकों को संगठित कर सकते हैं। और अपने व्यापार में वृद्धि कर सकते हैं। सोशल मीडियाने शिक्षा को भी एक नया आयाम दिया है। जहाँ बच्चे अलग-अलग विषयों पर जानकारी हासिल कर सकते हैं वो भी एक दिलचस्प तरीके से। और तो और इस दुनिया में कोरोना के कहर में भी सोशल मीडिया एक आशा किरण लिए सूरज बन गया है। जिससे शिक्षकों के हाथ में एक ऐसा अनोखा हथियार मिला है। जिससे दूर बैठकर भी अपने विद्यार्थी बच्चों को

सुरक्षित रूप से पढ़ा सकते हैं। जिसका नाम गुगल क्लासरूम है।

अंत में सीमित और संक्षिप्त में सोशल मीडिया का उपयोग करना सफलता की कुंजी है।

महेश एम. पालेन्द्र (मीत-माही)
प्रयोगशाला सहायक
परमाणु ऊर्जा कनिष्ठ महाविद्यालय मुंबई.

43/50

अनुराधा
23/01/2021

क-प-मे.-3083

ख-वर्ग

162

40/50

अनुराधा 23/01/2021

सोशल मीडिया

आधुनिक मानव संबंधों में परिवर्तन करता,

समझने और बोलने का मौंका है मिलता,

सूचना और समाचार दुनिया में तेजी पोहचाता,

में हूँ सोशल-मीडिया, में हूँ सोशल-मीडिया|

सोशल मीडिया से आज के समय मैं हमें सूचना सिर्फ एक बटन दबाने पर मिल जाती है। जो कंप्यूटर, टैबलेट या मोबाइल के माध्यम से प्राप्त की जाती है। यह संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन रहा है और तेजी से लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। आपको विचारों, सामग्री, सूचना और समाचार इत्यादि को बहुत तेजी से एक-दुसरे से साझाकरने में सक्षम बनाता है। पिछले कुछ वर्षो में सोशल मीडिया के उपयोग में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है तथा इसने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ता ओं को एक-साथ जोड़ लिया है। यह वह डोर है जो की हमें अपने चारोंओर की जानकारी आदान-प्रदान करती हैं। हमे किसी भी चीज के बारे में जानने, पढ़ने, समझने और बोलने का मौंका मिलता हैं। यह एसा माध्यम है जिसे हम अनदेखा नहीं कर सकते। यह एक अविश्वसनीय तथ्य है कि सोशल मीडिया की मौजूदगी ने हमारे जीवन को सुविधाजनक, आसान और बहुत तेज़बना दिया है|

<u>सोशल मीडिया का मनुष्य जीवन में होने वाला सकारात्मक प्रभाव-</u>

1. शिक्षा के लिए एक अच्छा उपकरण है।
2. सामाजिक मुद्दों के लिए जागरूकता पैदा करता है।
3. ऑनलाइन जानकारी तेज़ी से पहुचाता है।
4. सूचना तत्काल ही प्राप्त हो जाती हैं।
5. समाचार माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है।
6. लंबी दूरी के दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बात की जा सकती हैं ।
7. ऑनलाइन रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।
8. छात्र प्रसिद्धशिक्षकों, प्रोफेसरों और विचारोंके ब्लॉग, आर्टिकल और लेखन पढ़कर अपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं|
9. उत्पाद और सेवाएं ऑनलाइन आसानी से पहुंचने में मदद करता हैं।

...2/-

10. खरीद और उत्पाद या सेवा से पहले ग्राहक समीक्षा और प्रतिक्रिया पढ़ सकते हैं|
11. यह एक महान शिक्षा उपकरण है।
12. इस माध्यम से हम अपने इच्छित दर्शकों से जुड़ सकते हैं।
13. गुणवत्ता की जानकारी तक पहुंचने का शानदार तरीका है।
14. एक क्लिक में समाचार और सभी घटनाएं प्राप्त करने में मदद करता है।
15. आपको मित्रों, रिश्तेदारों से जुड़ने में तथा नए दोस्त बनाने में भी मदद करता है।
16. एनजीओ और अन्य सामाजिक कल्याण समितियों द्वारा चलाए जा रहे कई महान कार्यों में भी मदद करता है।
17. जागरूकता फैलाने और अपराध से लड़ने में अन्य मदद करता है।
18. व्यवसायों में प्रचार और बिक्री के लिए एक मजबूत उपकरण है|
19. इस प्लेटफार्म के माध्यम से कई समुदाय बनाये जाते है जो हमारे समाज के विकास के लिए आवश्यक होते हैं।
20. उत्पाद को ऑनलाइन बाजार में बेच सकते हैं और एक ब्रांड बना सकते हैं।

<u>सोशल मीडिया का मनुष्य जीवन में होने वाला नकारात्मक प्रभाव-</u>

1. यह एक आकर्षक तत्व है जो हमारे देश के युवा का भविष्य बिगाड़ सकते हैं |
2. युवा सोशल नेटवर्किंग साइटों पर अधिक सक्रिय रहने से छात्रों के शैक्षिक श्रेणी और प्रदर्शन को खराब करता है।
3. परीक्षा में नकल करने में मदद करता है।
4. सोशल मीडिया की वजह से युवाओं में 'गुमहोजानेकाभय' अत्यधिक बढ़ गया है।
5. इस माध्यम से आइडेंटिटी की चोरी, फ़िशिंग अपराध इत्यादि जैसे साइबर अपराधों के शिकार हो रहे हैं।
6. कुछ लोगो का मानना है कि यदि आप डिजिटल रुप में उपस्थित नहीं है, तो आपका कोई अस्तित्व नहीं हैं।
7. लोगों में निराशा और चिंता पैदा करने वाला एक कारक है।
8. बच्चों में खराब मानसिक विकास का जरीया बनता जा रहा है।
9. सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग निद्रा को प्रभावित करता हैं।
10. साइबर बुलिंग, छवि खराब होना आदि जैसे कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी हैं।

...3/-

11. सोशल नेटवर्किंग साइटों पर उपस्थित का बढ़ता दबाव और प्रभावशाली प्रोफ़ाइल, युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है, ये चीजे अन्यकार्यो के लिए बहुत कम समय छोड़ते है|
12. अधिक उपयोग के कारण समस्याएं पैदा होने लगती है जैसे अध्ययन, शारीरिक और अन्य फायदे मंदगति विधियों में कमी, न्यूनत मध्यान, चिंता और अन्य जटिल मुद्दों को उजागर करती है।
13. हम दिन प्रतिदिन एक-दूसरे से संबंध खोते जा रहे हैं।
14. घर में अजनबियों, यौन अपराधियों को अपनी निजी जानकारीयो को दे बैठना आदि भी कई खतरे है।
15. सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत अधिक और दूर तक पहुंच रहा है और यह किसी के छवि को बना या बिगाड़ भी सकता है।

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है और लाखों लोग इसका उपयोग प्रतिदिन करते हैं। परन्तु इसके अत्यधिक उपयोग के वजह से हमे इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती हैं। समाज पर सोशल मीडिया के प्रभावों के बारे में बहुत सारे तर्क-वितर्क प्रस्तुत किये गये है, कुछ लोगों का मानना है कि यह एक वरदान है। जब कि अन्य महसूस करते हैं कि यह एक अभिशाप है। सोशल मीडिया मानव जाति के लिए एक अच्छा साधन है। एक छात्र के रूप में संपूर्ण जीवन जीने के लिए अध्ययन, खेल और सोशल मीडिया जैसे कार्यों में संतुलन बनाये रखना चाहिए।सोशल मीडिया के उपभोकताओ में शामिल होने से पहले ध्यान से उस के सकारात्मक और नकारात्मक पहलूओं की जॉच कर लेनी चाहिए। यदि सोशल मीडिया का सही तरी के से उपयोग किया जाए तो ये मानवजाति के लिए वरदान साबित हो सकता है।

चेहरे पर फेसबुक सी रौनक है, दिल व्हाट्सप्प हुआ जा रहा है|

समाज से कटकर भी, अब इंसान सोशल हुआ जा रहा है|

रेशमा आशिष वेंगुर्लेकर

प्रवर श्रेणी लिपिक, भर्ती विभाग

(160)

नाम - विकास आ. पाटील - पदनाम Sr. Work Assistant
प. ऊ. के वि - 1 कर्मचारी संख्या 2008

(5)

35/40

वर्ग - 'ख'

सोशल मिडिया

सोशल मीडिया मूल रूप से कंप्यूटर या किसी भी मानव संचार या जानकारी के आदान प्रदान करने से जुडा हुआ है जो कंप्यूटर टेबलेट मोबाईल से प्राप्त कि जाती है। जो प्राप्त किया जानकारी से पेपर पर ज्ञान प्राप्त होता है सोशल सामाज और मीडिया याने माध्यम संचार का सबसे बडा तेजी से लोक प्रियता प्राप्त कर रहा है यह हमारे जीवन मे बडी भुमिका निभाते है।

आज ऐसा माध्यम हुआ है कि एक बटन दबाने पर हमारे पास सकारात्मक विचार और नकारात्मक जानकारी पहुँचा जा रही है लोगो का मानना है कि यह एक वरदान है आजकल के नौजवान बच्चे से लेकर बुढे लोगो तक क्षण मिनटो मे जानकारी हासिल करने का साधन है आज हर जगह कोरोना जैसी महामारी के प्रार्दुभाव के कारण सोशल मीडिया के द्वारा शिक्षा मे ऑनलाइन पढाई अध्ययन - अध्यापन हो रहा है घर मे बैठकर फेसबुक, ट्विटर, इत्यादी जैसे व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है शिक्षक प्रोफेसरो और छात्रो के बीच ये काफी लोकप्रिय है छात्रो का सोशल मीडिया बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है अनेक जानकारी जवाब प्राप्त कर सकते है शिक्षको के साथ विद्यार्थी जुडने मे सहायता होती है

सोशल मीडिया सामाजिक विकास मे अपना योगदान देकर व्यवसायो को बढावा दिया जाता है बाजारो जैसे साधन उपलब्ध करके लाखो ग्राहको तक पहुँचाया जाता है उदा. ॲमेजॉन, फ्लपकार्ट आदी किसी भी सामाजिक स्थान पर सोशल मीडिया अच्छा साधन है आज कोई भी जगह जाने की आवश्यकता नही होती है नौकरी तलाशने वालो को भी इससे सहायता मिलती है लाईट बील भरना गेस बुकींग करना और ऑनलाइन पद्धती से

सामान मगवाना आदी काम कर सकते है दुनिया के हर जगह मे व्यक्ती रहकर बातचीत द्वारा आज अपना व्यवसाय बढा सकता है शोशल ~~मी~~ मीडिया लोगो का मेल जोल का साधन बन रहा है।

सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्तो से रिश्तेदारो के साथ संचार कर सकते है परिक्षा मे नकल करने शोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव है दुरुपयोग के तौर पर आईडेंटिटी चोरी होना हैकींग, अपराध के शिकार होते है आजकल के जमाने मे स्मार्ट फोन उपयोग होता है.

=×=

यह मेरी मूल रचना है।

श्रीमती पुष्पा आस्कर चंदन

47/50 अनुराधा 23/01/2022

EMPID NO. 2214

167

'ग' वर्ग

सोशल मीडिया

सामान्य शब्दों में, सोशल मीडिया को फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, लिंक्डइन इत्यादि के समानार्थी के रूप में देखा जाता है। हालांकि, सोशल मीडिया इससे परे है और इसका क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है। यह एक व्यापक शब्द है। और यह उन वेबसाइटों और अनुप्रयोगों को संदर्भित करता है जो उपयोगकर्ताओं को सृजन करने, विषय-वस्तु साझा करने, परस्पर वार्ता करने और सोशल नेटवर्किंग में भाग लेने में सक्षम बनाता है।

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया आजकल सभी लोगों का बहुत ही दिलचस्प मनोरंजन का साधन बना हुआ है। लोग अपने परिवार रिश्तेदार आदि सभी से इसके जरिए जुड़े रहते हैं और इसका लुफ्त उठाते हैं। एक बटन दबाने पर ही हमारे पास अत्यंत विस्तृत संबंधित सकारात्मक और नकारात्मक किसी भी प्रकार की जानकारी पहुंच जा रही है। जो कुछ भी हमें जानना होता है उसे बस एक क्लिक या एक बटन दबाकर प्राप्तकर सकते है | हम इस सच्चाई को अनदेखा नहीं कर सकते कि सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में मौजूद बड़े और आकर्षक तत्वों में से एक है | सोशल मीडिया को 21वीं शताब्दी की मूक क्रांति के रूप में वर्णित किया गया है। हाल ही में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या तीन बिलियन से भी अधिक होचुकी है जिसमें भविष्य में कमी होने के स्थान पर और अधिक वृद्धि होने का ही अनुमान है।

सोशल मीडिया एक बहुत ही सशक्त माध्यम है और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति (बच्चों से लेकर बुडों) पर पड़ता है। पृथ्वी पर फैली कोविड-19 महामारी के इस मुश्किल दौर में तों सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन का कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है| कुछ लोगों का मानना है कि यदि आप डिजिटल रुप में उपस्थित नहीं है, तो आपका कोई अस्तित्व नहीं हैं। सोशल मीडिया मूल रूप से कंप्यूटर, स्मार्ट फ़ोन, माइक्रो ब्लॉगिंग, फेसबुक, ट्विटर, लिंक्डइन, व्हाट्सएप्प या किसी भी मानव संचार या जानकारी के आदान-प्रदान करने से जुड़ा हुवा है | कई और वेबसाइटें और ऐप्स भी हैं जो इसे संभव बनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया के उपयोग में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है जो की नाकारा नहीं जा सकता|

सोशल मीडिया के बारे में इन दिनों बहुत बाते हो रही है। सोशल मीडिया अच्छा है या बुरा इस तथ्य के बारे में भी बहुत बहस चल रही है। हमारे लिए कई विचार उपलब्ध हैं और यह हमारे ऊपर है कि हम इसे सही तरीके से पढ़े, समझे और निष्कर्ष तक पहुंचे। अगर बुद्धिमानी से इसका उपयोग किया जाये तो यह बेहद प्रभावी हो सकती है। सोशल मीडिया को अच्छा या बुरा कहने के बजाय, हमें अपने लाभ के लिए इसका उपयोग करने के तरीके को खोजना चाहिए। यह सवाल अभी भी बना हुआ है हमारे लाभ के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कैसे किया जा सकता है। आइए कोशिश करें और इसका उत्तर दें।

सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रभाव :

I. शैक्षणिक क्षेत्र में सोशल मीडिया का महत्व :

आजकल यूट्यूब पर शिक्षा एवं ज्ञान के लिए अनेक प्रकार के ज्ञानवर्धक चैनल चलाए जा रहे हैं जिसके द्वारा कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही साथ अपना ज्ञान दूसरों में बांट सकता हैं। आजकल इसके जरिए कोई भी व्यक्ति बड़ी आसानी से किसी भी कार्य को घर पर बैठ के ही सम्पादित कर सकता है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि सोशल मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और छात्रों के बीच ये अधिक लोकप्रिय है। शिक्षा किसी भी देश का प्रमुख हिस्सा है जिस पर उस देश का पूरा भविष्य निर्भर है । सोशल मीडिया की मदद से शिक्षा को आसान और सुविधाजनक बनाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया के निम्नलिखित महत्व है:

- व्याख्यानो का सीधा प्रसारण: आजकल कई प्रोफेसर अपने व्याख्यान के लिए स्काइप, ट्विटर और **अन्य स्थानों पर लाइव वीडियो चैट आयोजित** कर रहे हैं। यह छात्रों के साथ-साथ शिक्षक को भी घर बैठे किसी चीज को सीखने और साझा करने में सहायता करता है।
- सहयोग का बढ़ता आदान-प्रदान: चूंकि हम दिन के **किसी भी समय सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते है** और कक्षा के बाद शिक्षक से प्रश्नों का समर्थन और समाधान ले सकते हैं। यह अभ्यास शिक्षक को अपने छात्रों के विकास के और अधिक बारीकी को समझने में भी मदद करता है।
- शिक्षा कार्यो में आसानी: कई शिक्षक महसूस करते हैं कि सोशल मीडिया का उपयोग उनके कामों को आसान बनाता है। यह **शिक्षक को अपनी क्षमताओं, कौशल और ज्ञान का विस्तार** पता लगाने में भी सहायता करता है।
- अधिक अनुशासान: सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आयोजित कक्षाएं अधिक अनुशासित और संरचित होती हैं क्योंकि वे जानते हैं कि **हर कोई इसे देख रहा होता है।**
- शिक्षा में मददगार: सोशल मीडिया छात्रों को ऑनलाइन उपलब्ध कराई गयी कई शिक्षण सामाग्री के माध्यम से उनके ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से छात्र वीडियो और चित्र देख सकते हैं, समीक्षाओं की जांच कर सकते हैं और लाइव प्रक्रियाओं को देखते हुए तत्काल अपने संदेह को दूर कर सकते हैं। न केवल छात्र, बल्कि शिक्षक भी इन उपकरणों और शिक्षण सहायता का उपयोग करके अपने व्याख्यान को और अधिक रोचक बना सकते हैं।
- शिक्षण ब्लॉग और लेखन: छात्र प्रसिद्ध शिक्षकों, प्रोफेसरों और विचारकों द्वारा ब्लॉग, आर्टिकल और लेखन पढ़कर अपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं। इस तरह अच्छी सामग्री व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकती है।

सुबसे बड़ी बात यह है की जब कोविड-19 महामारी के चलते दुनिया में शिक्षण संस्थायें पूरी तरह से लॉकडाउन हो गया तब सोशल मीडिया का महत्व ज्यादा

समजमे आया | घर बैठे बच्चे ना की शिर्फ़ कक्षा अटेंड कर रहे है बल्कि ऑनलाइन परीक्षा भी दे रहे हैं | ऑनलाइन एडमिशन का प्रक्रिया भी हो रहा है | अगर इस मुश्किल समय में सोशल मीडिया नहीं होता तो सोचो की क्या होता ? आज कोविड़-19 महामारी के मुश्किल दौर में सोशल मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकार का वरदान साबित हो रहा है |

II. सामाजिक विकास में सोशल मीडिया का योगदान :

सोशल मीडिया सकारात्मक भूमिका अदा करता है जिससे किसी भी व्यक्ति, संस्था, समूह और देश आदि को आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध बनाया जा सकता है। सोशल मीडिया के जरिए ऐसे कई विकासात्मक कार्य हूए हैं जिनसे कि लोकतंत्र को समृद्ध बनाने का काम हूआ है जिससे किसी भी देश की एकता, अखंडता, पंथनिरपेक्षता, समाजवादी गुणों में अभिवृद्धि हुई है।

सोशल मीडिया कई सामाजिक मुददों के लिए कारणों तथा जागरूकता पैदा करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है | पिछले कुछ वर्षों में सूचना और सामग्री का विस्पोट में सोशल मीडिया का ताकत देखा है | इसे एक समाचार माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया जा रहा है | आप जहाँ है वहीं पर आपको पूरी समाचार मिल जाता है | इसके जरिए कोई जरूरी खबर पल भर में लाखों लोगों तक भेजा जा सकता है। सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग सामाजिक विकास के लिए कई फायदे देता है उदाहरण के तौर पर :

- सोशल मीडिया एनजीओ और अन्य सामाजिक कल्याण समितियों द्वारा चलाये जा रहे कार्यों में भी मदद कर रहा है |
- सोशल मीडिया अपराध से लड़ने में अन्य एजेंसियों तथा सरकार की मदद कर रहा है | अपराधी कुछ ही घंटो में पकड़ा जाता है और सलाकोंके पीछे पहूँच जाता है | सी.सी.टी.वि से जो कैप्चर होता है वो सब सोशल मीडिया के जरिये पुलिस जान लेती है और अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा सुनाती है | सोशल मीडिया की वजहसे निरपराधी जिन्हें झूठे आरोपों से बचाया जा सकता है | सब को न्याय मिलता है | 'INDIA AGAINST CORRUPTION' को देख सकते हैं, जो कि भ्रष्टाचार के खिलाफ महाअभियान था जिसे सड़कों के साथसाथ - सोशल मीडिया पर भी लड़ा गया जिसके कारणविशाल जनसमूह अन्ना हजारे के आंदोलन से जुड़ा और उसे प्रभावशाली बनाया। सोशल मीडिया के माध्यम से ही 'निर्भया' को न्याय दिलाने के लिए विशाल संख्या में युवा सड़कों पर आ गए जिससे सरकार दबाव में आकर एक नया एवं ज्यादा प्रभावशाली कानून बनाने पर मजबूर हो गई |
- लोगों द्वारा स्वयं की फोटो, वीडियो और व्यक्तिगत सूचनाओं को तेजी से शेयर करने के साथ ही सोशल मीडिया सामाजिक प्रतिष्ठा के मापदंड के रूप में भी उभर रहा है। कमेंट्स, लाइक, फॉलोअर्स की बढ़ती संख्या स्टेटस सिम्बल बन चुका है जो उन्हें सोशल मीडिया पर एक सेलिब्रिटी के रूप में स्थापित कर रहा है।
- किसी भी देश की अर्थव्यवस्थाको मजबूत बनाने में जो की देश के सामाजिक विकास के लिए बहुत जरुरी है, सोशल मीडिया मददगार साबित हुवा है |

- सोशल मीडिया कई व्यवसायों में प्रचार और बिक्री के लिए एक मजबूत उपकरण साबित हुवा है | यह दुनिया भर के लाखों व्यवसायकर्तावों को मार्केटिंग जैसे साधन प्रधान करता है और ऑनलाइन जानकारी तेज़ी से हस्तांतरित होती है, जिसकी मदद से उपयोगकर्ताओं को सूचना तत्काल ही प्राप्त हो जाती हैं। ग्राहकों तक प्रोडक्ट का पूरा विवरण घर बैट उपलब्द होता है |
- सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से कई समुदाय बनाये जाते है जो हमारे समाज के विकास के लिए आवश्यक हैं |
- आज के योवावों को उनके इच्छुक नौकरी तलाशने में सोशल मीडिया से सहायता मिला है |
- लंबी दूरी के दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ संचार कर, हालचाल पूछ सकते है| मनी ट्रान्सफर कर उनकी मदद कर सकते है | बूड़े माता-पिता को समाय पर दवाइयां और रकम पहूँचाया जा सकता है| बड़े बुजुर्ग लोगों को सोशल मीडिया से बड़ी राहत मिली है और उन्हें अकेले जीने में भी आसानी हो गई है | उनके बच्चे अगर दुनिया के किसी भी कोने में है तो भी उनसे सीदा सम्पर्क में रह सकते है, जब चाहे बातें कर सकते है, अपनी परेशानियाँ बता सकते है और बच्चे उनका सारा परेशानी कोसों दूर रहकर भी सुलझा सकते है |
- सोशल मीडिया के जरिये ऑनलाइन रोजगार जैसे की खाना पकाना, कपडे सिलना, घर की डेकोरेशन, होम मेड प्रोडक्ट बेचने इत्यादि घर बैठे कर सकते है | जहां व्यक्ति स्वयं को अथवा अपने किसी उत्पाद को ज्यादा लोकप्रिय बना सकता है।
- कोई भी इवेंट हो उदाहरण के तौर पर इंगेजमेंट, मेहँदी, संगीत, शादी, जन्मदिन या शादी की सालगिरा इत्यादि जिसमे कोविड-19 के चलते रिश्तेदारों और दोस्तों को प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं होने पर भी उन सब को सोशल मीडिया की सहायता से अप्रत्यक्ष रूप से शामिल करके इन सब का आनंद उठा सकते है |
- कोविड-19 के चलते लोगों को अपने ही माता-पिता, रिश्तेदार, दोस्तों आदि के दाह-संस्कार में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना संभव नहीं है पर सोशल मीडिया के जरिये इन कार्यों में जुड़कर दुःख प्रकट कर सकते है और परिवार को सांत्वना दे सकते है |
- कोविड-19 के इस महामारी के दिनों में सोशल मीडिया सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर समाज में अपना एक महत्वपूर्ण मक़ाम हासिल किया है यह कोई इंकार नहीं कर सकता | दुनिया के किसी भी कोने में जो भी हो रहा है वो सब आम आदमी वो चाहे गरीब हो या आमिर, शेहेर में हो या गाँव में, जंगल में हो या बीच समंदर में, अंडरग्राउंड में हो या आसमान में, उन तक सोशल मीडिया के विभिन्न उपकरणों से आसानी से पहुँच जाता है |
- लोकप्रियता के प्रसार में सोशल मीडिया एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है, जहां व्यक्ति स्वयं को अथवा अपने किसी उत्पाद को ज्यादा लोकप्रिय बना सकता है। आज फिल्मों के ट्रेलर, टीवी प्रोग्राम का प्रसारण भी सोशल मीडिया के माध्यम से किया जा रहा है। वीडियो तथा ऑडियो चैट भी सोशल मीडिया के माध्यम से सुगम हो पाई है जिनमें फेसबुक, व्हॉट्सऐप, इंस्टाग्राम कुछ प्रमुख प्लेटफॉर्म हैं।

- आजकल सभी लोग अपना टैलेंट सोशल मीडिया पर ही दिखाते हैं और उससे पैसा भी कमाते हैं । आजकल किसी की फोटो, वीडियो आदि प्राप्त करनी हो तो सोशल मीडिया के जरिए बहुत ही आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।
- 2014 के आम चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों ने जमकर सोशल मीडिया का उपयोग कर आमजन को चुनाव के जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। इस आम चुनाव में सोशल मीडिया के उपयोग से वोटिंग प्रतिशत बढ़ा, साथ ही साथ युवाओं में चुनाव के प्रति जागरूकता बढ़ी।

सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव :

कई चिकित्सकों का मानना है कि सोशल मीडिया लोगों में निराशा और चिंता पैदा करने वाला एक कारक है। सोशल नेटवर्किंग साइटों पर उपस्थित का बढ़ता दबाव और प्रभावशाली प्रोफ़ाइल, युवाओं को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है। आंकड़ों के मुताबिक एक सामान्य किशोर प्रति सप्ताह औसत रुप से 72 घंटे सोशल मीडिया का उपयोग किया जाता है, ये चीजे अन्य कार्यो के लिए बहुत कम समय छोड़ते है जिनके कारण उनके अदंर गंभीर समस्याएं पैदा होने लगती है जैसे अध्ययन, शारीरिक और अन्य फायदेमंद गतिविधियों में कमी, न्यूनतम ध्यान, चिंता और अन्य जटिल मुद्दों को उजागर करती है। सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव कुछ इस प्रकार है जोकि बहुत ही चिंता जनक है :

- अब हमारे पास वास्तविक मित्र की तुलना में अप्रत्यक्ष मित्र सबसे अधिक होते जा रहे हैं और हम दिन प्रतिदिन एक-दूसरे से संबंध खोते जा रहे हैं। इसके साथ ही अजनबियों, यौन अपराधियों को अपनी निजी जानकारीयो को दे बैठना आदि भी कई खतरे है।
- बच्चों में खराब मानसिक विकास का भी कारण बनते जा रहा है। सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग निद्रा को प्रभावित करता हैं। सोशल मीडिया की वजह से युवाओं में 'गुम हो जाने का भय' (एफओएमओ) अत्यधिक बढ़ गया है।
- परीक्षा में नकल करने में मदद करता है। छात्रों के शैक्षिक श्रेणी और प्रदर्शन को खराब करता है। निजता का अभाव होता है ।
- उपयोगकर्ता हैकिंग, आइडेंटिटी को चोरी, फ़िशिंग अपराध इत्यादि जैसे साइबर अपराधों के का शिकार हो सकता हैं। व्यक्तिगत डेटा का नुकसान जो सुरक्षा समस्याओं का कारण बन सकता है और बैंक विवरण चोरी जैसे अपराध, जो किसी भी व्यक्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कई शिकारी, कमजोर उपयोगकर्ताओं की तलाश में रहते हैं ताकि वे घोटाले कर और उनसे लाभ कमा सके।
- सोशल मीडिया का लंबे समय तक उपयोग, युवाओं में इसके लत का कारण बन सकता है। बुरी आदतो के कारण महत्वपूर्ण चीजों जैसे अध्ययन आदि में ध्यान खोना हो सकता है। लोग इससे प्रभावित हो जाते हैं तथा समाज से अलग हो जाते हैं और अपने निजी जीवन को नुकसान पहुंचाते हैं।

- हनीट्रैप्स और अश्लील एमएमएस सबसे ज्यादा ऑनलाइन धोखाधड़ी का कारण हैं। लोगो को इस तरह के झूठे प्रेम-प्रंसगो में फंसाकर धोखा दिया जाता है।

- सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। अक्सर लोग इसके अत्यधिक उपयोग के बाद आलसी, वसा, आंखों में जलन और खुजली, दृष्टि के नुकसान और तनाव आदि का अनुभव करते हैं।

- सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के कारण लोग सामाजिक और पारिवारिक जीवन से दूर, फ़ोन जैसे उपकरणों में व्यस्त हो जाते है |

जिस तरह एक सिक्के के दो पहलू होते हैं अर्थात किसी भी चीज के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव होते हैं उसी प्रकार सोशल मीडिया के भी कई प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव है। पहले कोई घटना होने पर लोग चिट्ठी भेजते थे | जिसमे काफी समय लग जाता था। काफी कार्य जो आजकल चुटकियों में हो जाते हैं वह पहले महीनों में हुआ करते थे।

सोशल मीडिया के उपभोक्तओ में शामिल होने से पहले ध्यान से उसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलूओं की जॉच कर लेनी चाहिए। यदि सोशल मीडिया का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो ये मानव जाति के लिए वरदान साबित हो सकता है। सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं में कोई संदेह नहीं है लेकिन उपयोगकर्ताओं को सोशल नेटवर्किंग के उपयोग पर अपने विवेकाधिकार का उपयोग करना चाहिए। एक छात्र के रूप में संपूर्ण जीवन जीने के लिए अध्ययन, खेल और सोशल मीडिया जैसे कार्यों में संतुलन बनाये रखना चाहिए । इस बात से अस्वीकार नहीं किया जा सकता है कि यदि बुद्धिमानी से सोशल मीडिया का उपयोग किया जाये तो यह शिक्षा को बेहतर और छात्रों को होशियार बना सकता है । निजता के कानूनों को सुदृढ़ करने, बेहतर कानून प्रवर्तन और सोशल मीडिया साइटों और एप्लीकेशन के सुरक्षित सक्रिय सहयोग को अनिवार्य रूप में आगे बढ़ाने का उपाय किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया के संभावित दुरुपयोगों के सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

सरकार एक ऐसी नीति को अंतिम रूप दे रही है जिसका उद्देश्य सोशल मीडिया पर बाज़ की तरह निगरानी रखना है जिससे कि यह जांच हो सके कि कहीं इसका "दुरुपयोग" भारत के विरुद्ध षड्यंत्र करने और राष्ट्र-विरोधी प्रचार करने के लिए तो नहीं किया जा रहा है। सरकार सोशल मीडिया और ऑनलाइन सामग्री के लिए भी एक नियामक ढांचा प्रस्तुत करने की योजना बना रही है।

जय हिन्द

****

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

(164)

प.ऊ.शि.सं. / AEES
आवक संख्या : INWARD No.
दिनांक
3167(2021)
23/01/2021

46/50

एम. लता
2107 / वरिष्ट लिपिक
प.ऊ.के.वि - मैसूरु
[ग - वर्ग]
25.9.2020

सोशल मीडिया

इंटरनेट पर मौजूद फेसबुक ट्विटर इंस्टाग्राम, टिकटोक व्हाट्सएप इत्यादि वेबसाइट को सोशल वेबसाइट कहा जाता है और इन वेबसाईट के समूह को सोशल मीडिया कहा जाता है। इस पर दुनिया का कोई भी व्यक्ति आसानी से अपना एक अकाउंट बना कर पूरी दुनिया से जुड सकता है।

सोशल मीडिया को इन्सानों ने अपने मनोरंजन के लिए बनाया है परंतु आजकल यह हमारी जिन्दगी का हिस्सा बन चुका है। क्योंकि आज के युग में हर व्यक्ति को सोशल मीडिया के बारे में जानकारी है और हर कोई सोशल मीडिया पर उपलब्द है और हम अपने संबंधी, दोस्तों और पूरी दुनिया के साथ अपने विचार और भावनाओं को बाँट सकते है।

सोशल मीडिया एक बहुत ही सशक्त माध्यम है और आज हमारे जीवन में एक बडी भूमिका निभा रहा है। एक बटन दबाने पर ही हमारे पास अत्यंत विस्तृत, संबंधित सकारात्मक और नकारात्मक किसी भी प्रकार की जानकारी पहुँच रही है। इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पडता है। सोशल मीडिया के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना भी बहुत मुश्किल है. परन्तु, इसका अत्यधिक उपयोग के वजह से हमें इसकी कीमत भी चुकानी पडती है। समाज पर सोशल मीडिया के प्रभावों के बारे में बहुत सारे तर्क-वितर्क प्रस्तुत किये गये हैं, कुछ लोगों का मानना है कि यह एक वरदान है और कुछ लोगों महसूस करते है कि यह एक अभिशाप है।

सोशल मीडिया के फ़ायदे :-

→ सोशल मीडिया के जरिये पूरी दुनिया से जुड़ सकते है। आप अपने देश और दूसरे देश के लोगों के साथ जुड़ सकते है और उन्हें दोस्त बन सकते है। अपनी भावनाओं और विचारों को प्रकट कर सकते है और दुनिया के किसी भी देश के लोगों को दोस्त बना सकते है।

→ सोशल मीडिया से आप दूसरों के साथ अपने विचार और भावनाओं को शेयर कर सकते है, चैटिंग या लाइव वीडियो कालिंग भी कर सकते है।

→ सोशल मीडिया के द्वारा आप डाक्युमेंट, फोटो, वीडियो ~~को [illegible] भी कर सकते हैं~~। एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेज सकते है।

→ सोशल मीडिया के जरिए शिक्षा प्राप्त कर सकते है और यह ऑनलाइन बिजनेस करने का भी एक अच्छा माध्यम है, इसका नतीजे लाखो-करोड़ो लोगों तक अपने बिजनेस को फैला सकते है।

→ आज सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म बन चुका है जिससे लोग घर बैठे इंटरनेट की मदद से य सोशल मीडिया के इस्तेमाल से पैसा कमा रहें हैं।

→ सोशल मीडिया से हर तरह की जानकारी से अपडेट रह सकते है

→ सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जो आदमी को रातों-रात फेमस बना सकता है और उसकी लोकप्रियता को बहुत बढ़ा सकता है।

STUDENT'S NAME		TOTAL MARKS OBTAINED
CLASS	SUBJECT	
ROLL NO.	DATE	

→ सोशल मीडिया सहायता करने का भी एक अच्छा माध्यम है। लोग अपनी समस्याओं को सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं और इसी माध्यम से बहुत लोगों की मदद की जाती है

→ सोशल मीडिया मनोरंजन का सबसे अच्छा माध्यम है और सोशल मीडिया पर सभी प्रकार की सामग्री जैसे फोटो, वीडियो आदि मिल जाती है।

→ यह शिक्षा के लिए एक अच्छा उपकरण व साधन है। इस प्लेटफार्म के माध्यम से छात्र और शिक्षक एक दूसरे के साथ जुड़ सकते हैं जानकारी को साझा करना, उत्तर प्राप्त करना, सुझाव लेना आदि। मल्टी मीडिया के उपलब्ध भी है, सोशल मीडिया सरल, सस्ता, सर्वत्र सीमाहीन साधन है। इसकी तकनीकी की क्षमता बहुत प्रशंसनीय है।

→ इस कोविड-19 महामारी सांक्रमिक रोग फैलाते समय सभी स्कूल और कालेजों बन्द होजाने के समय में, भी, इस सोशल मीडिया के जरिए सभी बच्चों को ऑनलाइन द्वारा शिक्षण मिलरहा है। यह बहुत प्रशंसनीय है।

→ ऑनलाइन जानकारी का तेजी से हस्तांतरण होता है और उपयोगकर्ता अच्छी तरह से सूचित रह सकते हैं।

→ सोशल मीडिया ऑनलाइन रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। इसका उपयोग समाचार माध्यम के रूप में भी किया जा सकता है।

→ लंबी दूरी के दोस्त व रिश्तेदारों के साथ संचार के साथ-साथ कुछ सामाजिक लाभ भी है।

→ यह एक ज्ञानवर्धन साधन है। न्यूज, राजनीति, सामाजिक आदि हर तरफ की जानकारी पूरी दुनिया में अपडेट होता रहता है।

JUNIOR

सोशल मीडिया के नुकसान :-

→ सोशल मीडिया के द्वारा बहुत सारी अफवाहें फैलाई जाती हैं जिससे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है और लोगों में गलत भावनाएं पैदा होती हैं। बहुत सारे लोगों के साथ सोशल मीडिया पर फ्रॉड, धोखाधड़ी और हैकिंग की जाती है।

→ सोशल मीडिया से मोबाइल एडिक्शन लग जाती है। इस कारण वह अपनी असल जिंदगी से डिस्टर्ब हो जाते और बार-बार सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं और अपनी असल जिंदगी से ~~से~~ दूर हो जाते हैं। सोशल मीडिया कई बार मौत का कारण भी होता है।

→ कई बार सोशल मीडिया द्वारा आपके प्राइवेट डाटा को लीक किया जा सकता है।

→ सोशल मीडिया पर फ़ेक लोगों की मौजूदगी होती है।

→ सोशल मीडिया एक मनोरंजन और टाइमपास करने का सबसे अच्छा माध्यम है इसलिए हमारी कीमती समय की बर्बादी करने का भी कारण बन चुका है।

→ कई चिकित्सकों का मानना है कि सोशल मीडिया लोगों में निराशा और चिंता पैदा करनेवाला एक कारक है। ये बच्चों में खराब मानसिक ~~विकास~~ विकास का भी कारण बनते जा रहा है। साईबर बुलिंग, ब्लूव्हेल जैसा नकारात्मक प्रभाव से युवाओं में गुम हो जाने का भय और मृत्यु का भी कारण बन रहा है।

→ मोबाइल बार-बार इस्तेमाल करने से नींद कम हो जाता है और इस वजह से गुस्सा होना, मानसिक और शारीरिक अस्वस्थ बन जाते हैं।

श्रीमती शोभना डी. पनिकर

40/50

अनुराधा 23/01/2021

166

हिन्दी पखवाड़ा - 2020
हिन्दी निबंध लेखन (गैर - शिक्षकों हेतु)

भर्ती एवं सतर्कता अनुभाग,
प.उ.शि.स. मुंबई.
कर्मचारी पहचान संख्या: 1361

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया अथवा सामाजिक संचार का एक उपकरण। सोशल संचार कम्यूनिकेशन नेटवरकीग के द्वारा लोगों के साथ आपस मे जुडना, जिसका क्षेत्र काफी विस्तृत है, अधुनिक और डिजिटल दुनिया मे सभी परिचित हैं, जो शिक्षा को एक नया मंच दिया है। सामाजिक नेटवर्किंग सोशल मीडिया का सबसे विस्तृत और लोकप्रिय भाग है, जहा अलग अलग विषयों की जानकारी दिलचस्प तरीके से हासिल किया जा सकता है।

सोशल नेटवर्किंग द्वारा रिश्तेदारों, प्रियजनो से संपर्क करना बहुत ही आसान हुआ, इस मंच द्वारा अपनी टालेन्टस को दुनिया के सामने लाना, प्रसिद्ध होना संभव हुआ, होबारों को पैसे कमाने का एक मार्ग, तो अभिव्यक्ति का सशक्त साधन, अन्याय के खिलाफ अवाज उठाने मे सहायक और आम आदमी को अपनी बात रखने का एक मजबूत माध्यम बन गया।

समाजिक नेटवर्किंग कंप्यूटर, स्मार्टफोन के माध्यम से कुछ इसतरह प्रस्तुत किया जा सकता है जैसे फेसबुक, व्हाटसअप, यूट्युब, ट्विटर, इंस्टाग्राम, या लिक्डइन, स्नाप-चाट इत्यादी जिससे संदेश, फोटो, विडियो, कालिंग, पैसे भेजने की सुविधा इत्यादी आसान और सरल हो गया है।

सिक्के के दो पहलू जैसे सोशल मिडिया के भी दो पहलु हैं। सुझबुझ, विवेक से इस्तेमाल करे तो आर्थिक विकास, अर्थव्यवस्था नेटवर्किंग, व्यापार और माल सेवा इत्यादी से राष्ट्रीय विकास और बहुत ही फायदेमंद और दोस्तो, रिश्तेदारों और विभिन्न देशों से जुड़े रहने का एक बेहतरीन साधन है सोशल मीडिया। कोविड-19 के संक्रमण का सामना करते, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने मे भारत के लोग सोशल मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे जिससे लोगो से मिलने जुलने से परे होते हुए भी एक दूसरे से करीब रहे।

DATE

PAGE NO.

ऐसा पटल एक बार विश्व के सामने रख रहा है, एक नवनाटककार, भविष्य में देखा जाए तो उनके नाटकों से भारतीय रंगमंच और हिन्दी नाटक को और ऊँचाई पर पहुँचाना है, रचनाओं में आधुनिकता, नाटकीयता से युक्त भाषा रहें, भाषा शैली कथानक की दृष्टि से आधुनिक भाव बोध को उजागर करता आधुनिक भारतीय रंगमंच पर प्रयोग करते रहे। उनके आलोचनात्मक विचार भी समाज की विसंगतियों के संदर्भ, उनकी आलोचनात्मक दृष्टि रही है। जो उनके आधुनिक सोच में स्पष्ट दिखाई देता है।

आधुनिक नाटक हमेशा आधुनिक भावों, विचारों को ही उजागर आधुनिक भारतीय को प्रस्तुत कर रहे हैं। उनका आधुनिक बोध का अनुभव आधुनिक है, रहा है, उनके आधुनिक नाटकों में उनके विचार से समाज विसंगति से परिचित भी होते रहे हैं, जिससे आधुनिक, आलोचक दृष्टि है।

जैसा कि भी नाटक की भाषा अभिव्यक्ति होता है और रंग प्रस्तुति प्रयोगधर्मिता से भरी हुई है, उनके नाटकों की भाषा और आधुनिक जीवन की समस्याओं को उजागर करती है, उनके नाटकों में संवाद की प्रभावशीलता, पात्रों के माध्यम से जीवन के विविध पक्षों का चित्रण, मानवीय संबंधों की जटिलता और संघर्ष, व्यक्ति और समाज के बीच द्वंद्व (व्यक्तिवादी चिंतन) को भी नाटक की भाषा द्वारा प्रस्तुत किया।

. . . .

इसी तरह एक ओर जरूरत से ज्यादा देर तक कम्प्युटर, मोबाइल फोन इत्यादी के इस्तेमाल से लोगो का खासकर युवा और बच्चो का दिमाग और सेहत पर कुप्रभाव हो रही है। विद्यार्थीया पढ़ाई से दूर भाग रहे है, मानो उनका बचपन खो रही है, आजकल माता पिता से ज्यादा सोशल मीडिया बच्चों पर प्रभाव डाल रही है। उनको आत्मविश्लेषण करने का समय न मिलने के कारण, उनका आत्मविश्वास कमजोर हो रही है। जो उनकी आंतरिक वृद्धि मे प्रभाव डाल रही है।

असामजीक लोग झूठी अफवाह फैलाने, धर्म के नाम से उकसाने सोशल मिडिया का इस्तेमाल कर रहे है। इंसान समाज से कटकर सोशल हो रही है, आपसी संबंधीयो से ज्यादा मिडिया मे समय बिताने से रिश्ते मे दरार पड़ रही है, फालतू गपशप, उलझने बढ़ गई है।

जैसे किसी भी चीज की अति हानिकरक होता है और सही इस्तेमाल लाभदायक उसी तरह सोशल मीडिया का भी उपयोग समतोलता से करनी चाहिए। एक मोबाइल फोन पर उंगलिया चलाकर दुनिया भर के लोगो से पल भर मे मिलना, उनकी परंपरा और संस्कृति को जानना सब कुछ कितना आसान किया इस नेटवर्कींग ने, वहि इ-लरनिंग (इलेक्ट्रोनिक शिक्षा) ने मानो कलम को मौन कर दीया।

....